हिंदी प्रस्तुति

सिंधु घाटी सभ्यता

सिंधु घाटी सभ्यता

उद्देश्य– भारत की सबसे प्राचीन सभ्यता, प्राचीनतम ग्रंथों, धर्मों व उनकी शिक्षाओं को समझाने में समर्थता।

आर्यों का आना

१९वी शताब्दी के पाश्चात्य विद्वानों के प्रचलित दृष्टिकोणों के अनुसार आर्यों का एक वर्ग भारतीय उप महाद्वीप की सीमाओं पर २००० ईसा पूर्व के आसपास पहुंचा और पहले पंजाब में बस गया, और यही ऋग्वेद की ॠचाओं की रचना की गई। आर्यों द्वारा उत्तर तथा मध्य भारत में एक विकसित सभ्यता का निर्माण किया गया, जिसे वैदिक सभ्यता भी कहते हैं। प्राचीन भारत के इतिहास में वैदिक सभ्यता सबसे प्रारंभिक सभ्यता है जिसका संबंध आर्यों के आगमन से है। इसका नामकरण आर्यों के प्रारम्भिक साहित्य वेदों के नाम पर किया गया है। आर्यों की भाषा संस्कृत थी और धर्म "वैदिक धर्म" या "सनातन धर्म" के नाम से प्रसिद्ध था, बाद में विदेशी आक्रांताओं द्वारा इस धर्म का नाम हिन्दू पड़ा।

सिंधु घाटी सभ्यता

- **सिंधु घाटी सभ्यता** (३३००-१७०० ई.पू.) विश्व की प्राचीन नदी घाटी सभ्यताओं में से एक प्रमुख सभ्यता थी।
- यह हड़प्पा सभ्यता और सिंधु-सरस्वती सभ्यता के नाम से भी जानी जाती है।
- ब्रिटिश काल में हुई खुदाइयों के आधार पर पुरातत्ववेत्ता और इतिहासकारों का अनुमान है कि यह अत्यंत विकसित सभ्यता थी और ये शहर अनेक बार बसे और उजड़े हैं।

मोहेन्जोदाड़ो में पाई गई एक मूर्ति

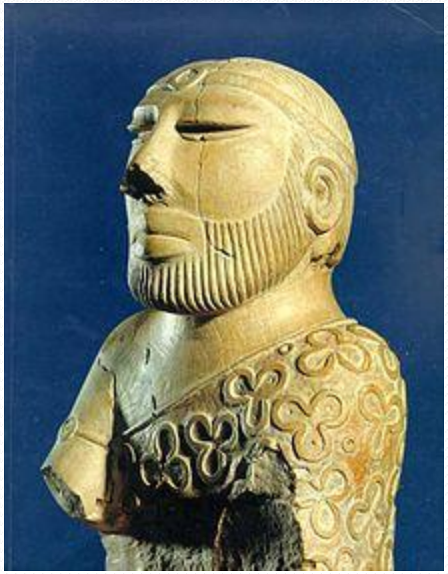

वेद

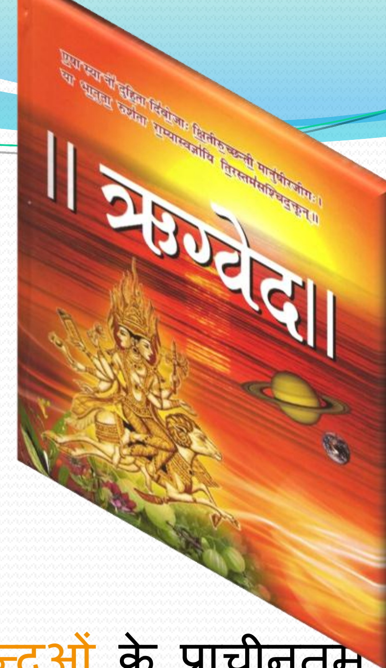

वेद प्राचीन भारत में रचित साहित्य हैं जो हिन्दुओं के प्राचीनतम और आधारभूत धर्मग्रन्थ भी हैं। भारतीय संस्कृति में सनातन धर्म के मूल और सब से प्राचीन ग्रन्थ हैं जिन्हें ईश्वर की वाणी समझा जाता है । वेदों को *अपौरुषेय* (जिसे कोई व्यक्ति न कर सकता हो, यानि ईश्वर कृत) माना जाता है तथा ब्रह्मा को इनका रचयिता माना जाता है। इन्हें *श्रुति* भी कहते हैं जिसका अर्थ है 'सुना हुआ' । अन्य हिन्दू ग्रंथों को *स्मृति* कहते हैं यानि मनुष्यों की बुद्धि या स्मृति पर आधारित । ये विश्व के उन प्राचीनतम धार्मिक ग्रंथों में हैं जिनके मन्त्र आज भी इस्तेमाल किये जाते हैं ।

'वेद' शब्द संस्कृत भाषा के "विद्" धातु से बना है, इस तरह वेद का शाब्दिक अर्थ *विदित यानि ज्ञान के ग्रंथ* हैं । आज चतुर्वेदों के रूप में ज्ञात इन ग्रंथों का विवरण इस प्रकार है –

ऋग्वेद -इसमें देवताओं का आह्वान करने के लिये मन्त्र हैं -- यही सर्वप्रथम वेद है (यह वेद मुख्यतः ऋषि मुनियों के लिये होता है)
सामवेद -इसमें यज्ञ में गाने के लिये संगीतमय मन्त्र हैं (यह वेद मुख्यतः गन्धर्व लोगो के लिये होता है)
यजुर्वेद - इसमें यज्ञ की असल प्रक्रिया के लिये गद्य मन्त्र हैं (यह वेद मुख्यतः क्षत्रियो के लिये होता है)
अथर्ववेद -इसमें जादू, चमत्कार, आरोग्य, यज्ञ के लिये मन्त्र हैं (यह वेद मुख्यतः व्यापारियो के लिये होता है)

उपनिषद्

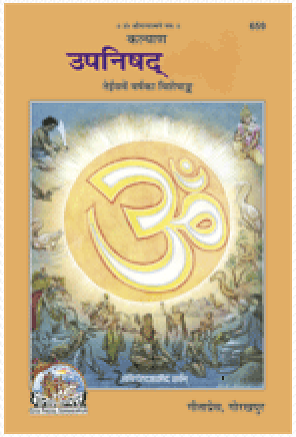

- **उपनिषदों** को स्वयं भी **वेदान्त** कहा गया है।
- उपनिषद् हिन्दू धर्म के महत्त्वपूर्ण **श्रुति धर्मग्रन्थ** हैं।
- ये **वैदिक वांग्मय** के अभिन्न भाग हैं।
- उपनिषद् **भारतीय सभ्यता की विश्व को अमूल्य धरोहर** है ।
- ये **संस्कृत** में लिखे गये हैं ।

उपनिषद् की सीख

- इनमें **परमेश्वर, परमात्मा-ब्रह्म और आत्मा** के स्वभाव और सम्बन्ध का बहुत ही दार्शनिक और ज्ञानपूर्वक वर्णन दिया गया है ।
- सृष्टि के **उदगम एवं उसकी रचना के संबंध में गहन चिंतन तथा स्वयंफूर्त कल्पना** से उपजे रूपांकन को विविध बिंबों और प्रतीकों के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयत्न किया गया है।
- अंत में कहा यह गया कि **हमारी श्रेष्ठ परिकल्पना के आधार पर जो कुछ हम समझ सके, वह यह है।**
- इसके आगे इस रहस्य को शायद परमात्मा ही जानता हो और 'शायद वह भी नहीं जानता हो।'

ॐ भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम देवाः ॥ भद्रं पश्येमाक्षभिर्यजत्राः ॥
स्थिरैरङ्गैस्तुष्टुवाꣳसस्तनूभिः ॥ व्यशेम देवहितं यदायुः ॥
स्वस्ति न इन्द्रो वृद्धश्रवाः ॥ स्वस्ति नः पूषा विश्ववेदाः ॥
स्वस्ति नस्तार्क्ष्यो अरिष्टनेमिः ॥ स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधातु ॥
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

महाभारत

- **महाभारत** हिन्दुओं का एक प्रमुख काव्य ग्रंथ है, जो स्मृति वर्ग में आता है।
- इस काव्य का रचनाकार वेदव्यास जी को माना जाता है।
- यह काव्यग्रंथ भारत का अनुपम, धार्मिक,पौराणिक,ऐतिहासिक और दार्शनिक ग्रंथ हैं।
- विश्व का सबसे लंबा यह साहित्यिक ग्रंथ और महाकाव्य, हिन्दू धर्म के मुख्यतम ग्रंथों में से एक है।

महाभारत महाकाव्य की हस्तलिखित पाण्डुलिपि

गीता

गीता (संस्कृत : श्रीमद्भगवद्गीता, *भगवान* , अक्सर बस के रूप में **गीता** के लिए भेजा, का हिस्सा है कि एक 700 कविता शास्त्र है हिंदू महाकाव्य *महाभारत* . यह हिंदुओं का एक पवित्र पाठ है.

गीता के बीच एक संवाद की एक कथा ढांचे में सेट है पाण्डव राजकुमार अर्जुन और उसके गाइड भगवान कृष्ण . उसके रिश्तेदारों को मारने के लिए शुल्क का सामना, अर्जुन है "उसके सारथी, कृष्णा ने आह्वान किया, दूसरों के बीच में, झिझक को रोकने के लिए और अपने को पूरा Ksatriya एक योद्धा के रूप में (योद्धा) ड्यूटी और मार डालो. " [1] डाला [1] को इस अपील में *ksatriyadharma* (वीरता) [2] "एक संवाद है [...] मुक्ति की प्राप्ति (की ओर से संबंधित व्यवहार और तरीकों अपसारी के बीच *मोक्ष*). [3]